Printed Pages : 7

H-5928

M.A. (II[nd] Semester) Examination, 2022

हिन्दी साहित्य

(छायावाद काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70
Minimum Passing Parks : 25

निर्देश : सभी खण्डों के प्रश्न निर्देशानुसार हल कीजिए। निर्धारित अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **एक** अंक का है। [1x10=10]

सही उत्तर का चयन कीजिए :

(i) कामायनी महाकाव्य में सर्गों की संख्या .... है।

(ii) छायावाद का प्रारम्भ .... से हुआ।

(iii) ताज .... की रचना है।

(iv) आधुनिक मीरा .... को कहा जाता है।

(v) रावण को पराजित करने के लिए राम ने .... का आह्वान किया।

(vi) हिन्दी काव्य में मुक्त छंद के प्रवर्तक हैं :

(क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(घ) सुमित्रानंदन पंत

(vii) कामायनी का प्रथम सर्ग है :

(क) चिंता

(ख) आशा

(ग) श्रद्धा

(घ) इड़ा

(viii) पंत की किस रचना को छायावाद का 'मेनीफेस्टो' कहा जाता है ?

(क) गुंजन

(ख) पल्लव

(ग) युगवाणी

(घ) चितंबरा

(ix) 'सरोज स्मृति' किस श्रेणी की रचना है ?

(क) लोक गीत

(ख) विरह गीत

(ग) प्रेम गीत

(घ) शोक गीत

(x) वेदना और प्रगीत किसके काव्य की विशेषता है ?

(क) महादेवी वर्मा

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान

(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(घ) मैथिलीशरण गुप्त

(xi) इड़ा किसकी प्रतीक है ?

(क) मन

(ख) हृदय

(ग) बुद्धि

(घ) शरीर

(xii) पंत की काव्य भाषा किस दृष्टि से समृद्ध है ?

(क) छंद

(ख) अलंकार

(ग) बिम्ब

(घ) उपरोक्त सभी

खण्ड-ब

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है। [5x2=10]

(i) छायावाद के कवि चतुष्ट्य का नाम लिखिए।

(ii) प्रसाद का काव्य किस दर्शन से प्रभावित है ?

(iii) आचार्य शुक्ल के अनुसार छायावाद की परिभाषा दीजिए।

(iv) ज्ञानपीठ से पुरस्कृत छायावादी कवियों का उल्लेख कीजिए।

(v) 'सरोज स्मृति' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

(vi) पंत को कविता लिखने की प्रेरणा किससे मिली ?

(vii) मैं, नीर भरी दुःख की बदली' में "मैं" संबोधन किसके लिए है ?

खण्ड–स

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

3. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का है। [5x4=20]

(i) छायावाद के नामकरण पर विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) परिवर्तन कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

(iii) "महादेवी के काव्य में रहस्यवाद" पर टिप्पणी लिखिए।

(iv) प्रसाद के काव्य में सौन्दर्य चेतना पर प्रकाश डालिए।

(v) "राम की शक्ति पूजा" का काव्य वैशिष्ट्य बताइए।

(vi) पंत के काव्य में प्रकृति के स्वरूप का चित्रण कीजिए।

(vii) निराला के काव्य में सांस्कृतिक-सामाजिक तत्व का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–द

(निबंधात्मक प्रश्न)

4. **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का है। [3x10=30]

(i) अनुभूति एवं अभिव्यक्ति दोनों स्तर पर प्रसाद का काव्य बेजोड़ है, सम्यक समीक्षा कीजिए।

अथवा

छायावाद को परिभाषित करते हुए उसके विकास के विविध सोपानों पर प्रकाश डालिए।

(ii) प्रकृति के मोहक दृश्यों ने पंत को खूब लुभाया है। कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

छायावाद के संदर्भ में महादेवी की विचारधारा और काव्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

(iii) "निराला" के काव्य में छायावाद-रहस्यवाद-प्रगतिवाद की त्रिवेणी प्रवाहित है।" कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

छायावाद की पृष्ठभूमि को दृष्टिगत रखते हुए उसके काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

(iv) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात,

एक परदा यह झीना नील, छिपाये है जिसमें सुख गात।

जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल।

ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल।।

अथवा

धन्ये, मैं पिता निरर्थक था, कुछ भी तेरे हित कर न सका।

जाना तो अर्थागमोपाय, पर रहा सदा संकुचित-काय।।

लखकर अनर्थ आर्थिकपथ पर, हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

शुचिते पहनाकर चीनांशुक, रख सका न तुझे अतःदधिमुख।।

क्षीण का न छीना कभी अन्न, मैं रख न सका वे दृग निपन्न।

अपने आँसुओं अतः बिम्बित, देखे हैं अपने ही मुख चित।।

----x----